कोला पर प्रतिबंध क्या निजी स्वतंत्रता का उल्लंघन है?

डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन

न्यूयॉर्क शहर के मेयर माइकल ब्लूमबर्ग फिटनेस के दीवाने हैं। वे ऐसे कदम उठाते रहते हैं और ऐसे कानून बनाते रहते हैं जिनसे नागरिक तंदुरुस्त रहें। जैसे उन्होंने शहर के सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर रोक लगाई थी। उन्होंने इस प्रतिबंध को इस आधार पर उचित ठहराया था कि तमाम वैज्ञानिक रिपोर्ट्स निष्क्रिय धूम्रपान के खतरों को उजागर कर चुकी हैं। निष्क्रिय धूम्रपान उसे कहते हैं जब आप स्वयं तो धूम्रपान नहीं करते मगर आपके आसपास चल रहे धूम्रपान से प्रभावित होते हैं। धूम्रपान न सिर्फ उस व्यक्ति की सेहत को नुकसान पहुंचाता है जो धूम्रपान करता है बल्कि आसपास के लोगों के स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है क्योंकि वह धुआं उनके शरीर में भी पहुंचता है। लिहाज़ा, यदि आप न्यूयॉर्क शहर में सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान करते हैं, तो हो सकता है कि कोई सिपाही आपको रोके।

ब्लूमबर्ग आजकल इस काम में जुटे हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर कोला जैसे शकरयुक्त पेय पदार्थों का अत्यधिक सेवन कम कर सकें। वे कोशिश में हैं कि न्यूयॉर्क शहर में होटलों, बारों, थिएटरों, खेलकूद स्थलों और ठेलों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर मीठे पेय पदार्थों की 16 आउंस (500 मि.ली.) से अधिक मात्रा की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दें। यह प्रतिबंध बोतलबंद पेय पर भी लागू होगा और नल से निकलने वाले पेयों पर भी। इस प्रतिबंध का असर मिठासयुक्त ऐसे पेय पदार्थों (जैसे कोक, पेप्सी, स्प्राइट और ठंडी चाय) पर पड़ेगा जिनमें प्रति 250 मि.ली. में 25 से ज़्यादा कैलोरी होती हैं। मेयर ब्लूमबर्ग का दावा है कि वे न्यूयॉर्क में फैल रहे मोटापे से निपटना चाहते हैं।

कोला तथ्य

क्या कोला पेय मोटापे को बढ़ावा देते हैं? उदाहरण के लिए कोका कोला की स्टैण्डर्ड बोतल (360 मि.ली.) लीजिए। इसमें 39 ग्राम शकर होती है (यानी 140 कैलोरी घुली होती है) जो दैनिक अनुशंसित खुराक का करीब 13 प्रतिशत है। इसी प्रकार से 360 मि.ली. पेप्सी कोला में 41 ग्राम और स्प्राइट में 38 ग्राम शकर होती है। इसके अलावा कोला पेय अत्यंत अम्लीय होते हैं। इनका पीएच मान 2.5 के आसपास होता है जो दांत के एनेमल को नष्ट करने के लिए पर्याप्त है। (इसे देखने के लिए एक प्रयोग कर सकते हैं। टूटे दांत का एक टुकड़ा या संगमरमर का एक टुकड़ा 50 मि.ली. कोला पेय में डालकर रखिए और अगले दिन उसका हश्र देखिए।)

हम जो गन्ने का रस पीते हैं वह भी कैलोरी का भंडार है। 120 मि.ली. गन्ना रस में 76 कैलोरी होती हैं। अच्छी बात है कि यह कोला जैसा अम्लीय नहीं होता (नींबू डालने के बाद भी)।

न्यूयॉर्क प्रतिबंध अन्यत्र भी प्रासंगिक लगता है, खासकर मॉल्स और सिनेमा थिएटरों की नई-नई संस्कृति के चलते भारत के शहरों में तो यह बहुत ही प्रासंगिक होगा। हम पॉप कॉर्न खरीदते हैं जो बड़े-बड़े पैक्स में मिलते हैं - एक बड़े पॉप कॉर्न पैक में 500 कैलोरी और 30 ग्राम वसा होती है। या फ्रेंच फ्राइस के एक छोटे पैक में 250 कैलोरी, और कोला की 250 मि.ली. की बोतल में 260 कैलोरी होती हैं। तो क्या यही कारण है कि दिल्ली के आधुनिक बच्चे मोटे होते हैं?

न्यूयॉर्क शहर की भूमिगत ट्रेनों में ब्लूमबर्ग का अभियान

कहता है: ''क्या आप किलोग्राम उंडेल रहे हैं?'' उन्होंने इस अभियान में सेलेब्रिटीज़, फिल्मकारों और खिलाड़ियों को भी जोड़ा है। अभियान के विरोध में सैकड़ों सॉफ्ट ड्रिंक निर्माताओं और विक्रेताओं, होटल मालिकों और थिएटरों मालिकों ने एक अभियान समूह बनाया है 'एनवायसीबेवरेजचॉइसेज़डॉटकॉम' और यह समूह ब्लूमबर्ग पर यह कहकर आक्रमण कर रहा है कि वे अमरीकी संविधान में प्रदत्त निजी स्वतंत्रता पर अंकुश लगा रहे हैं।

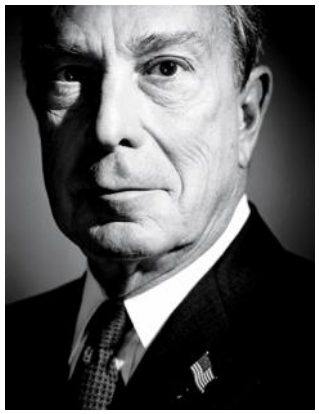

इस पर मेयर का कहना है, ''मैं आपको वह चीज़ पाने से नहीं रोक रहा हूं। यदि आपको 32 आउंस चाहिए तो रेस्तरां को दो गिलास में सर्व करना होगा। और सुपरमार्केट्स पर जंबो साइज़ के पैक बेचने पर तो कोई प्रतिबंध नहीं है।'' जहां तक निजी आज़ादी पर रोक की बात है तो यूएसए टुडे के 12 जुलाई के अंक में उन्हें यह कहते उद्धरित किया गया है कि ''इसमें आपकी आज़ादी छीनने जैसी कोई बात नहीं है। यह कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसके लिए देश के संस्थापकों ने संघर्ष किया था।''

बहस जारी है। इस प्रतिबंध को कानूनी जामा पहनाने के लिए ब्लूमबर्ग को न्यूयॉर्क के बोर्ड ऑफ हेल्थ से प्रस्ताव पर वोट डलवाना होगा। यह प्रस्ताव सितंबर में बोर्ड के समक्ष आएगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि ऊंट किस करवट बैठता है और यदि ब्लूमबर्ग जीत जाते हैं, तो क्या अन्य शहर उनका अनुकरण करेंगे।

इसमें एक मुद्दा निजी आज़ादी बनाम राज्य के आदेश का है। एक तरफ निजी स्वतंत्रता है, तो दूसरी तरफ सार्वजनिक हित है। कोला बिक्री पर प्रतिबंध इस बहस को उजागर करता है। कोला की सार्वजनिक बिक्री पर प्रतिबंध किस हद तक सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है?

जब मैं सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान करता हूं, तो मैं अन्य लोगों की सेहत पर भी असर डालता हूं। लिहाज़ा जब अमरीका के सर्जन जनरल सी. एवरेट कूप ने 1980 के दशक में धूम्रपान के खिलाफ सफल अभियान छेड़ा था तब उन्हें कई शहरों व राष्ट्रों का समर्थन हासिल हुआ था। इसी प्रकार से जब मैं अपने घर पर शोरगुल भरी पार्टी करता हूं, तो शायद पड़ोसियों को दिक्कत हो। लिहाज़ा ऐसी पार्टियों पर प्रतिबंध को आम हित में किया गया फैसला माना जाएगा। सवाल यह है कि क्या मोटापे की रोकथाम कानूनन धूम्रपान के खिलाफ कानून या शोर भरी पार्टियों पर प्रतिबंध के समान है?

सरकार कहेगी कि ये चीज़ें बराबर हैं क्योंकि मोटापा बढ़ने से सरकारी खर्च बढ़ता है। स्वास्थ्य बीमा की लागत, सरकार द्वारा प्रदत्त स्वास्थ्य सेवा की लागत, फौजियों की फिटनेस और अन्य कई चीज़ें इस पर निर्भर हैं। मगर इस मामले में भी दो नज़रिए हैं - सरकारी हस्तक्षेप के पक्ष में और विरोध में।

शायद ब्लूमबर्ग का कोला प्रतिबंध सफल नहीं होगा, जैसा कि मार्लो और शेयर्स के एक पर्चे से स्पष्ट है (http://www.jpands.org/vol15no3/marlow.pdf)। दूसरी ओर, ओ-ब्रेडी व कैप्रेटा (74094.5743. assessingobesity interventions.0312.pdf) कई तर्क देते हैं कि क्यों मोटापे पर नियंत्रण के लिए सरकारी हस्तक्षेप ज़रूरी है।

अपने देश में देखें तो केरल, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान व महाराष्ट्र सरकारों द्वारा गुटका व अन्य इसी तरह के उत्पादों के उत्पादन व बिक्री पर प्रतिबंध लगभग ऐसा ही मामला है। यह प्रतिबंध खाद्य सुरक्षा व मानक नियमन कानून 2011 के तहत लगाया गया है। प्रमाण दर्शाते हैं कि तंबाकू चबाने से जितनी मौतें होती हैं वे फेफड़ों के कैंसर से दुगनी हैं।

यह सही है कि धूम्रपान के विपरीत तंबाकू चबाने का दुष्प्रभाव सिर्फ उपयोगकर्ता पर होता है। इस लिहाज़ से यह धूम्रपान से भिन्न है। मगर इसकी वजह से स्वास्थ्य पर होने वाला सार्वजनिक खर्च बढ़ता है। तो चाहे यह नुकसान व्यक्तिगत ही हो, मगर यदि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इसका असर अन्य लोगों पर पड़ता है तो मुझे कुछ तो करना ही होगा। ***(स्रोत फीचर्स)***